विवरण

रोहिणी में दंगे से प्रभावित उन परिवारों के लिए राहत उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा निम्नलिखित उपाए किए गए जिनके बारे में 23 मार्च, 1991 को इंडियन एक्सप्रेस में "फारलार्न एमबिट्टर्ड दे ट्रूज आन" शीर्षक के अन्तर्गत लेख प्रकाशित हुआ था :—

(I) प्रत्येक परिवार को 18 वर्ग मीटर के वैकल्पिक विकसित प्लाट का आवंटन।

(II) दिल्ली कापरेटिव हाउसिंग फाइनेन्स सोसाइटी द्वारा पहली तथा दूसरी ऋण किश्त के रूप में प्रत्येक दंगा पीड़ित परिवार को 10,000 रु० की अदायगी।

2. दिल्ली में 1984 के दंगों के शिकार हुए लोगों को राहत देने तथा उनके पुनर्वास के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा किए गए उपायों में मृत्यु, घायल तथा आवास इकाइयों के क्षति ग्रस्त होने के मामले में अनुग्रह सहायता देना, विधवाओं तथा बूढ़े व्यक्तियों को तदर्थ राहत पेंशन देना, स्कूल और कालेज जाने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति देना, लड़कियों की शादी तथा विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए सहायता देना, आवासों का आवंटन करना, विधवाओं/बच्चों को रोजगार देना, गैर-बीमाकृत व्यापारिक सम्पत्ति की क्षति होने पर वित्तीय सहायता देना और दंगा पीड़ित परिवारों को वित्तीय संस्थाओं द्वारा ऋण देना शामिल।

पाकिस्तान के पास मौजूद प्रक्षेपास्त्र-प्रक्षेपक

1412. श्री राम जेठमलानी :

सरदार अजीत सिंह अरोड़ा :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 8 अप्रैल, 1991 के "दि टाइम्स आफ इंडिया" में "पाक हैज मिसाइल लांचर्स" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि पाकिस्तान ने अपने वार्षिक रक्षा बजट में वृद्धि करने के बारे में हाल ही में घोषणा की है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश के दूसरे सीमा क्षेत्र पर स्थित चीन ने भी अपने रक्षा-बजट में वृद्धि करने की घोषणा की है ; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और सरकार की उन पर क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी) (क) जी हां।

(ख) और (ग) जी हां।

(घ) 1991-92 के बजट आवंटन में पाकिस्तान ने प्रतिरक्षा के लिए 70 अरब 95 करोड़ 60 लाख रुपए आवंटित किए हैं जो कि पिछले वर्ष के बजट में प्रतिरक्षा के लिए किए गए आवंटन के मुकाबले में 11 प्रतिशत अधिक है। चीन ने 1991 के अपने बजट में 32 अरब 51 करोड़ आर०एम०बी० प्रतिरक्षा के लिए आवंटित किए, जो पिछले वर्ष इस मद पर खर्च किए गए थे, 12 प्रतिशत अधिक है।

भारत की सुरक्षा से किसी भी तरह ताल्लुक रखने वाले घटनाओं पर सरकार बराबर निगाह रखती है, ताकि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सकती है।

"मुस्लिम्स स्टार्ट फलीइंग काश्मीर वैली" शीर्षक से प्रकाशित समाचार

1413. श्री राम जेठमलानी :

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 मार्च 1991 के "हिन्दू" में "मुस्लिम्स स्टार्ट फलीइंग काश्मीर वैली" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;